वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

बृहस्पतिवार, पौष शुक्ल पक्ष, अष्टमी, कलियुग वर्ष ५१२२ (२१ जनवरी, २०२१)

वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

कलका पंचांग

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

२२ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपरजाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-22012021

देव स्तुति

मोहान्धकारभरिते हृदये मदीये
मात: सदैव कुरु वासमुदारभावे।
स्वीयाखिलावयवनिर्मलसुप्रभाभि:
शीघ्रं विनाशय मनोगतमन्धकारम् ॥

अर्थ : हे उदार बुद्धिवाली मां ! मोहरूपी अन्धकारसे भरे मेरे हृदयमें सदा निवास करो और अपने सब अङ्गोंकी निर्मल कान्तिसे मेरे मनके अन्धकारका शीघ्र नाश करो।

शास्त्रवचन

अप्रशस्तानि कार्याणि यो मोहादनुतिष्ठति ।
स तेषां विपरिभ्रंशाद् भ्रंश्यते जीवितादपि ॥

अर्थ : जो मोह-मायामें पडकर अन्यायका साथ देता है, वह अपने जीवनको नरक-तुल्य बना लेता है ।

****

ब्राह्मणं ब्राह्मणो वेद भर्ता वेद स्त्रियं तथा ।
अमात्यं नृपतिर्वेद राजा राजानमेव च ॥

अर्थ : समतुल्य लोग ही एक दूसरेको ठीक प्रकारसे जान समझ पाते हैं, जैसे ज्ञानीको ज्ञानी, पतिको पत्नी, मन्त्रीको राजा तथा राजाको प्रजा । अतः अपनी बराबरी वालेके साथ ही सम्बन्ध रखना चाहिए ।

धर्मधारा

१. हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना आवश्यक

यदि हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना शीघ्र नहीं की गई तो आरक्षण रूपी महामारी इस देशको निगल जाएगी !

****

२. वैदिक संस्कृतिके संरक्षक हैं सन्तवृन्द

वैदिक हिन्दू संस्कृति यदि आजतक इतने सारे आसुरी आक्रमणोंके पश्चात भी यदि अंशमात्र जीवित है तो वह मात्र गुरु-शिष्य परम्पराके कारण ही है । सनातन संस्कृतिकी प्रतीक, यह शाश्वत परम्परा आनादि कालसे वैदिक संस्कृतिका पोषण, संवर्धन एवं रक्षण सब कुछ करती आई है । इस दैवी परम्पराके वाहक सभी सन्तवृन्दको हमारा सादर नमस्कार है ।

३. साधको, आपातकालकी तीव्रता अब एक-दो माहमें कभी भी और कहीं भी बढ सकती है । ऐसेमें अपने घरके बहुमूल्य वस्तुओंकी एवं महत्त्वपूर्ण कागद-पत्रोंकी सूची बनाकर उसे एक ही कपाटिकामें रखें जिससे यदि आपात स्थिति आनेपर यदि आपको घर छोडना पडे तो आपको सब एकत्रित करनेमें समय न व्यर्थ हो । जैसे भूकम्प या बाढ आनेपर या साम्प्रदायिक उत्पात होनेपर या परराष्ट्रसे युद्धजन्य स्थिति या गृहयुद्ध होनेपर, हो सकता है कि थोडे समयके लिए आपको अपना घर त्यागना पडे । ऐसी स्थितिकी पूर्व सिद्धता अभीसे करके रखें !

****

४. स्वार्थरूपी दुर्गुणको अपने ऊपर हावी नहीं होने दें !

जिनमें तमोगुणका प्रमाण अधिक होता है, उनमें स्वार्थरूपी दुर्गुण भी अधिक होता है । स्वार्थी व्यक्ति सदैव स्वयंके विषयमें या 'अधिकसे अधिक' अपने परिवारके विषयमें विचार करता है, यह मोह, उसे कब अधर्म करने हेतु प्रवृत्त कर देता है, उसे भी ज्ञात नहीं होता । आजके अधिकांश भ्रष्ट नेता, अधिकारीगण, व्यापारीगण, इन सबके लिए राष्ट्र और समाज हितका कोई महत्त्व नहीं होता, वे अपने स्वार्थमें अन्धे होकर कुर्कम करते जाते हैं और एक दिवस उन कुकर्मोंसे अर्जित धन या यशमें वे इतने अहंकारी हो जाते हैं कि उन्हें यह ज्ञात ही नहीं होता है कि उन्होंने यह जन्म नहीं; अपितु अनेक जन्मोंके लिए अपने दुःख भोगने हेतु अपना खाता खोल लिया है; अतः स्वार्थरूपी दुर्गुणको अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए ।

– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक

प्रेरक प्रसंग

पुण्यफलका रहस्य

एक दिन राजा भोज गहरी निद्रामें सोए हुए थे। उन्हें उनके स्वप्नमें एक अत्यन्त तेजस्वी वृद्ध पुरुषके दर्शन हुए।

राजाने उनसे पुछा, "महात्मन ! आप कौन हैं ?"

वृद्धने कहा, "राजन ! मैं सत्य हूं और तुझे तेरे कार्योंका वास्तविक रूप दिखाने आया हूं। मेरे पीछे-पीछे चला आ और अपने कार्योंकी वास्तविकताको देख।"

राजा भोज उस वृद्धके पीछे-पीछे चल दिए। राजा भोज बहुत दान, पुण्य, यज्ञ, व्रत, तीर्थ, कथा-कीर्तन करते थे। उन्होंने अनेक सरोवर, मन्दिर, कुंए, उद्यान आदि भी बनवाए थे। राजाके मनमें इन कार्योंके कारण अभिमान आ गया था। वृद्ध पुरुषके रूपमें आए सत्यने राजा भोजको अपने साथ उनकी कृतियोंके पास ले गए। वहां जैसे ही सत्यने पेडोंको छुआ, सब एक-एक करके सूख गए, उद्यान बंजर भूमिमें परिवर्तित हो गए। राजा इतना देखते ही आश्चर्यचकित रह गए। तत्पश्चात सत्य राजाको मन्दिरमें ले गया। सत्यने जैसे ही मन्दिरको छुआ, वह खण्डहरमें परिवर्तित हो गया। वृद्ध पुरुषने राजाके यज्ञ, तीर्थ, कथा, पूजन, दान आदिके लिए बने स्थानों, व्यक्तियों, आदिको ज्यों ही छुआ, वे सब भस्म हो गए। राजा यह सब देखकर विक्षिप्तसे हो गए।

सत्यने कहा, "राजन ! यशकी इच्छाके लिए जो कार्य किए जाते हैं, उनसे केवल अहङ्कारकी पुष्टि होती है, धर्मका निर्वहन नहीं। सच्ची सद्भावनासे, निस्वार्थ होकर कर्तव्यभावसे जो कार्य किए जाते हैं, उन्हींका फल पुण्यके रूपमें मिलता है और यह पुण्य फलका रहस्य है।

इतना कहकर सत्य अन्तर्धान हो गए । राजाने निद्रा टूटनेपर गहरा विचार किया और सच्ची भावनासे कर्म करना प्रारम्भ किया, जिसके बलपर उन्हें न केवल यश-कीर्तिकी प्राप्ति हुई; अपितु उन्होंने बहुत पुण्य भी कमाया।

घरका वैद्य

चना (भाग-१)

चना एक ऐसा खाद्यान्न है, जिसका देशके सभी लोग किसी न किसी रूपमें सेवन करते हैं । आयुर्वेदमें भी चनेकी पौष्टिकताके आधारपर ही, इसे रोगोंके लिए औषधिके रूपमें प्रयोग किया जाता है । चना खानेसे, न केवल ऊर्जा ही प्राप्त होती है; अपितु भार, 'कोलेस्ट्रॉल', मधुमेह नियन्त्रणमें होनेके साथ-साथ सिर-पीडा, खांसी, हिचकी, वमन (उल्टी) जैसे रोगोंके लिए भी लाभदायक सिद्ध होता है।

अङ्कुरित चना हो या काबुली चना हो अथवा चनेका आटा (बेसन) हो, सभी रूपोंमें चना उपचारात्मक दृष्टिसे ही प्रयोग किया जाता है। काला चना हो या भूरा चना अथवा हरा चना, प्रत्येक प्रकारके चनेका अपना भिन्न ही स्वास्थ्यवर्द्धक गुण होता है।

चनेका उपयोग मुख्यतः सागके रूपमें किया जाता है । चनेकी दो प्रजातियां होती हैं। १. काला चना तथा २. काबुली चना। यह ३० से ५० से.मी. ऊंचा, सीधा अथवा फैला हुआ, अनेक शाखायुक्त, चिपचिपा, शाकीय पौधा होता है । इसके पत्ते सन्युक्त, २ से ५ से.मी. लम्बे, १० से १२ पत्रकयुक्त, गोल तथा कंगूरेदार, ग्रन्थिल रोमोंवाले होते हैं । इसके पुष्प श्वेत, लाल अथवा नीले रंगके और छोटे होते हैं। इसकी फली, फूली

हुई, गोलाकार, अण्डाकार, लगभग १ से १.५ से.मी. लम्बी तथा शीर्षपर नुकीली होती है । प्रत्येक फलीमें १-२ गोल, चिकने, नोकवाले, ५-१० मि.मी. व्यास, सिकुडे हुए, भूरे, हरे, श्वेत रंगके बीज होते हैं । पकनेपर यह काले या भूरे रंगके हो जाते हैं । यह 'सितम्बर'से 'मार्च'तक तथा फलकाल 'अप्रैल'से 'जून'तक होता है ।

आयुर्वेदिक दृष्टिसे चना थोडा कडवा, मधुर, शीत, लघु, शुष्क, कफपित्त कम करनेवाला, शक्ति बढानेवाला, रुचिकारक तथा घीके साथ सेवन करनेसे त्रिदोष कम करनेवाला होता है । यह ज्वर (बुखार), कुष्ठ, प्रतिश्याय (Coryza), प्रमेह या मधुमेह, मेदा तथा मोटापा न्यून करनेमें सहायक होता है ।

उत्तिष्ठ कौन्तेय

औरंगाबादमें भगवान रामके चित्रवाले 'बैनरों'को हटाकर कचरा उठानेवाले वाहनमें डाला

भारतीय जनता पार्टीके कार्यकर्ताओंने औरंगाबाद पुलिस थानेमें एक परिवाद प्रविष्ट कराया है । इसमें कहा गया है कि महाराष्ट्रके औरंगाबाद नगर निगमद्वारा नियुक्त कुछ ठेकेदारोंने भगवान रामके चित्रवाले फलक हटा दिए हैं और उन्हें कचरा एकत्र करनेवाले वाहनमें ले जाया गया है । इससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं ।

भारतीय जनता पार्टीके कार्यकर्ताओंने औरंगाबाद पुलिस थानेमें एक प्राथमिकी प्रविष्ट कराई है । इसमें कहा गया है कि महाराष्ट्रके औरंगाबाद नगर निगमद्वारा नियुक्त कुछ ठेकेदारोंने भगवान रामके चित्रवाले 'बैनर' हटा दिए है और उन्हें कचरा एकत्र करनेवाले वाहनमें ले जाया गया है, इससे धार्मिक

भावनाएं आहत हुई है।

भाजपा नेताओंने इन्हीं 'बैनर्स'के द्वारा श्रीराम मन्दिरके लिए चन्दा एकत्रित करना आरम्भ किया। भाजपाके स्थानीय नेताओंका आरोप है कि उन 'बैनरों'पर, अयोध्यामें बननेवाले राम मन्दिरके लिए दान एकत्र करनेका आह्वान किया गया था; परन्तु आपसी मतभेदके चलते प्रशासन ये हथकण्डे अपना रहा है।

हिन्दूद्रोही शासनमें इसके अतिरिक्त कुछ अपेक्षा भी नहीं की जा सकती है। कुछ दिवस और ये फलक हटानेका खेल, खेल सकते हैं, उसके पश्चात इन हिन्दूद्रोहियोंको सम्भवतः प्रकृति इसी प्रकार सत्ताच्युतकर कचरेमें ही मिला देगी।

****

हिन्दू लडकियोंका शारीरिक शोषण करनेवाला आफताब बनाया गया बन्दी, अश्लील दृश्यपट बनाता धर्मपरिवर्तनका करता था प्रयास

उत्तर प्रदेशके मेरठके मेवाना थाना क्षेत्रके पुलिसने बलरामपुर जनपदके मोहम्मद आफताबको बन्दी बनाया है। इसपर आरोप है कि इसने २२ तथा १५ वर्षीय दो युवतियोंको चाकरी (नौकरी) दिलानेके 'बहाने' लाकर उनका शारीरिक शोषण किया, उनका अश्लील दृश्यपट बनाकर उन्हें धमकाकर उनपर धर्मपरिवर्तन हेतु दबाव बनाने लगा। दोनों युवतियां बस्ती जनपदकी निवासी हैं। आफताबके विरुद्ध 'धारा ३६३ तथा धारा ३६६'के अन्तर्गत परिवाद प्रविष्ट किया गया है। पुलिसके अनुसार यह तीन वर्षसे २२ वर्षीय युवतीके सम्पर्कमें था। उसकेद्वारा अल्पवयीन १५ वर्षीय लडकीके सम्पर्कमें आया। दोनोंको चाकरी दिलानेका कहकर मथुरा ले गया।

मथुरासे उन्हें लेकर मवाना गया । वहीं उनका यौन शोषणकर दृश्यपट बनाकर उन्हें धर्मपरिवर्तन हेतु धमकाने लगा । आफताब अनेक वर्षोंसे मेरठके मवाना क्षेत्रमें भाडेपर रह रहा था । अनेक बार अपने संग लडकियां लाता; जिन्हें लोगोंके पूछनेपर वह अपनी सम्बन्धी बताता था ।

मस्जिदोंसे प्रेरित ये आतङ्की, हिन्दू लडकियोंका जीवन नष्ट करनेके लिए ही यह स्वांग करते हैं और इन्हें धन भी मस्जिदोंसे मिलता है । योगी शासनने इस विषयमें अवश्य ही कठोर विधान बनाए हैं; परन्तु लगता है कि अभीतक धर्मान्धोंमें भय निर्माण नहीं हुआ है । आशा है कि हिन्दुत्वनिष्ठ योगी शासन जिहादियोंके हृदयमें आतङ्क उत्पन्न करनेमें सफल होगा । (२०.०१.२०२१)

****

देवी-देवताओंपर अपशब्द बोलनेवाले फारुकीके बचावमें सामने आया एक और 'कॉमेडियन'

'कॉमेडियन' समय रैनाने १९ जनवरीको कश्मीरी पण्डित नरसंहारकी ३१वीं वर्षगांठका सङ्केत देते हुए 'कॉमेडियन' मुनव्वर फारुकीके कारावासमें बन्द रहनेको लेकर भारतीय न्यायिक प्रणालीको कोसा । उल्लेखनीय है कि मुनव्वर फारुकीको इस मासके आरम्भमें हिन्दू देवताओं, गोधराकी घटना और केन्द्रीय गृह मन्त्री अमित शाहके विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करनेके लिए बन्दी बनाया गया था ।

समय रैनाने 'ट्वीट' किया, "आज कश्मीरी पण्डित नरसंहारके ३१ वर्ष पूर्ण हो गए हैं । मैं चाहता हूं कि मैं अपनी मातृभूमि, कश्मीर लौट जाऊं, जहां मुझे अपनी न्यायिक प्रणालीकी मृत्युके विषयमें पढनेके लिए 'इंटरनेट' नहीं होगा ।"

रैना, जो स्वयं कश्मीरी पण्डित हैं, उसने कश्मीरी पण्डितोंके पलायनकी दुखद घटना व्यक्त करनेके स्थानपर 'कॉमेडियन' मुनव्वर फारुकीके बन्दीकरणके विरुद्ध 'प्रोपेगेंडा' फैलाया।

मुनव्वर फारुकीको बन्दी बनानेके प्रकरणको कश्मीरी पण्डितोंके पलायनसे जोडकर रैनाने उन कश्मीरी पण्डितोंद्वारा सहन की गई भयावहताको तुच्छ बता दिया, जो अपने ही देशमें शरणार्थीकी भांति रह रहे हैं। वहीं इसके विपरीत, फारुकी लम्बे समयसे हिन्दू देवताओं और हिन्दू धर्मके विरुद्ध सतत भडकाऊ और अपमानजनक टिप्पणी कर रहा है।

हिन्दू होनेपर भी और वह भी कश्मीरी पण्डित होकर यह व्यक्ति जिहादी फारुकीका पक्ष ले रहा है। यह ऐसा एकाकी नहीं है। आज अपने ही पूर्वजोंकी कीर्ति व सङ्घर्षको कलङ्कित करनेवाले ऐसे अनेक जन्म हिन्दू हैं, जो अपने देश, अपने कुलके साथ छल कर रहे हैं। ऐसे लोग केवल देशपर कोढ हैं और इनका अन्त भी आतङ्कियोंकी भांति ही आवश्यक है; क्योंकि आतङ्कका समर्थक हिन्दू हो या कोई और वह आतङ्की ही होगा।

****

केरलमें अवयस्क लडकीसे ३२ लोगोंने किया दुष्कर्म, अपराधियोंका नाम बतानेसे पुलिसने किया मना

केरलमें एक १७ वर्षीय लडकीसे ३२ लोगोंने दुष्कर्म किया है। पुलिसने बीस अपराधियोंको बन्दी बनाया है; किन्तु उनके नाम बतानेसे पुलिसने मना कर दिया है!

चार वर्ष पूर्व जब वह लडकी १३ वर्षकी थी, तो उसके

साथ प्रथम बार दुष्कर्म किया गया था। एक वर्ष पश्चात पुनः दूसरी बार ऐसा होनेपर उसे 'चाईल्ड केयर होम'में भेज दिया गया था। वहांसे दो वर्ष पश्चात उसे पुनः अपने माता-पिताके पास जाने दिया गया; किन्तु सुरक्षाका प्रबन्ध उसके लिए नहीं किया गया।

घर लौटनेके पश्चात वह पुनः कुछ माहके लिए अनुपस्थित पाई गई। एक माह पूर्व उसे पुनः पलक्कडमें ढूंढ निकाला गया और 'निर्भया सेंटर'में भेज दिया गया। उसके अनुसार बताए गए दोषियोंको बन्दी भी बनाया गया है। 'मल्लपुरम'के संरक्षण आयोगने संस्थामें लाई गई लडकीकी सुरक्षका निर्णय लेते हुए 'पॉस्को' पीडिताको लेकर नूतन नियम बनाए हैं।

पीडिताने बताया कि उसके साथ आजतक ३२ लोगोंने दुष्कर्म किया है, जिनमें उसका कोई परिजन अथवा सम्बन्धी नहीं है। माता-पिताके साथ घर लौटानेपर, उसके लिए कोई सुरक्षा प्रदान नहीं किए जानेके कारण, सामाजिक कार्यकर्ताओंने प्रशासनको उत्तरदायी ठहराया है। केरलका विपक्ष भी इस प्रकारके दुष्कर्मके प्रकरणपर आक्रमक रहा; क्योंकि लडकीको परिजनके साथ घर लौटनेपर कोई सुरक्षा देनेमें शासन असफल रहा; जबकि बच्चोंकी सुरक्षाके अधिकारियोंसे इस बारेमें निर्णय लेनेकी बैठक भी हुई थी।

केरलके वामपन्थी शासनने अपराधियोंके नाम बतानेसे मना किया है, इससे स्पष्ट है कि ये इनके साथ ही मिले हैं; क्योंकि शासन पहले भी सुरक्षा नहीं दे पाया। ऐसे शासन व शासकगणका अन्त अत्यन्त आवश्यक हो गया है, अन्यथा ये समूचे भारतको ही

नरक बना देंगे। (१९.०१.२०२१)

****

जिहादी मुनव्वर फारूकीको वाहनसे ले जाएगी उतर प्रदेश पुलिस

जिहादी फारूकीद्वारा एक 'यूट्यूब वीडियो' प्रसारित किया गया था, इसमें उसने हिन्दू देवी-देवताओंके विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी करते हुए, गोधरा ट्रेन जलनेके विषयमें हिन्दुओंकी हत्याका उपहास करते हुए और नरसंहारमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और अमित शाहजीकी भूमिका जोडी थी। तभी इसी विषयमें १९ अप्रैल,२०२० में आशुतोष मिश्र नामक अधिवक्ताके परिवादपर प्रयागराज जनपदके जॉर्ज टाउन पुलिस स्टेशनमें उसके विरुद्ध प्रविष्ट अभियोगमें यह 'प्रोडक्शन वारंट' जारी किया गया है।

१ जनवरीको जिहादी फारूकीके साथ नलिन यादव, प्रखर व्यास, प्रियम व्यास और एडविन एंथनी नामके ४ लोगोंको भी धार्मिक भावनाएं आहत करनेके लिए इन्दौरके कारावासमें बन्द किया गया था। मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथके परामर्शदाता शलभ मणि त्रिपाठीने 'प्रोपेगेंडा वेबसाइट' 'द वायर'की पत्रकार आरफा खानम शेरवानीके एक 'ट्वीट'को 'रीट्वीट' करते हुए यह जानकारी देते हुए लिखा, "डेनमार्कके दुपन्नी समाचारमें पैगंबरका चित्र (कार्टून) छपनेपर भारतकी गलियोंमें फूट-फूटकर मातम मनानेवाले मुन्ना भाई पत्रकार मां सीताका अपमान करनेवाले 'शोहदे'के 'जुतियाए' जानेपर कलप रहे, मध्य प्रदेश पुलिसने 'हिसाब' किया है, शेष 'हिसाब' करने

उतर प्रदेश पुलिस पहुंची है । वाहनसे लाएंगे झूठे 'कामेडियन'को ।"

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व, आरफा खानमने 'ट्वीट'में लिखा था, "इंदौर पुलिसने 'मीडिया'में यह स्वीकार करनेके पश्चात कि उन्हें मुसलमान हास्य कलाकारके विरुद्ध कोई साक्ष्य नहीं मिला, अब उत्तर प्रदेश पुलिस उसे बन्दी बनाना चाहती है । वह पहले ही १८ दिन कारावासमें रह चुका है । उसकी मुसलमान होना ही उसका एकमात्र अपराध है । भारत माता की जय !"

जिहादी आरफाको बताना चाहेंगे कि वे ईश्वरका धन्यवाद करें कि उन्हें भारतमें जन्म मिला है, तो १८ दिन कमसे कम कारावासमें है, यदि कहीं अन्य देशमें होते और वहां ऐसे किसी अन्य धर्मके आस्थास्थानका उपहास करते, तो अनेक टुकडोंमें काट दिए जाते ! आतङ्की मानसिकताका कोई भी व्यक्ति अब छोडा नहीं जाएगा और अब न ही कोई 'मजहब कार्ड' कार्य करेगा; क्योंकि अब हिन्दू जाग्रत हो रहा है ।

****

छद्म 'टीआरपी' प्रकरणमें अर्णबके विरुद्ध प्रविष्ट आरोप पत्रमें हैं 'इण्डिया टूडे'के विरुद्ध साक्ष्य, मुम्बई पुलिस है मौन

'रिपब्लिक टीवी'के 'एडिटर-इन-चीफ' अर्णब गोस्वामी और पूर्व 'बार्क सीईओ' पार्थो दासगुप्तके विरुद्ध मुम्बई पुलिसद्वारा प्रविष्ट की गई 'चार्जशीट'के पश्चात इस प्रकरणने नूतन मोड ले लिया है । मुम्बई पुलिसने इस छद्म अभियोगको उचित सिद्ध करनेके लिए सैकडों पृष्ठकी जिस 'चैट'को 'लीक' किया है,

उसमें प्रकरणसे सम्बन्धित कुछ भी देखनेको नहीं मिलता। न ही इसमें पैसोंके लेन-देनकी चर्चा है और न ही 'रेटिंग'से छेडछाड करनेका कोई वर्णन है अर्थात, 'चार्जशीट'में कुल मिलाकर अर्णबकी बातबीचको आधार बनाया गया है।

रिपोर्ट दर्शाती है कि यह बातचीत 'इंडिया टुडे'के अधिकारियों और 'बार्क'के अधिकारियोंमें हुई थी और वो भी 'रिपब्लिक टीवी'के 'लॉञ्च' होनेसे बहुत पहले!

इन सबसे प्रतीत होता है कि यह केवल अर्णब गोस्वामीकी छवि धूमिल करनेके उद्देश्यसे किए गए एक प्रयास जैसा है।

देहलीमें 'मीडिया'का एक 'लुटीयन' समूह है, जो देश स्वतन्त्र होनेके पश्चात कांग्रेसके राजमें फला-फूला था, जिसका अघोषित मुख्यालय दक्षिण देहलीके 'खान मार्केट'में है; परन्तु जबसे वर्ष २०१४ से केन्द्रमें मोदी शासन आया है, तबसे इस 'गिरोह'का समय सही नहीं चल रहा है, यह देश एवं विदेशकी यात्राओंकी मलाई एवं शासनद्वारा दी जानेवाली बहुतसे सुविधाओंसे वञ्चित है। २०१४ से पहले तक यह 'गिरोह' वैसे ही समाचार देता था, जैसा शासन चाहता था। कुछ वर्ष पहले ही इस गिरोहके कुछ कुख्यात पत्रकार उद्योगपतियोंसे 'दलाली'के प्रकरणोमें साक्ष्योंके साथ पकडे गए थे। 'इंडिया टूडे' समूह इस गिरोहका मुखिया है। २०१४ के बाद इस लुटियन समूहके अस्तित्वपर सङ्कट आ गया है; अत: यह समूह किसी भी राष्ट्रवादी समाचार वाहिनी या पत्रकारको सहन करनेके लिए सिद्ध नहीं है। शासनको चाहिए कि कि इस 'टीआरपी' प्रकरणकी केन्द्रीय जांच विभागसे जांच कराए, जिससे 'दूधका दूध और पानीका पानी' हो और दोषियोंको दण्ड मिले। (२०.११.२०२०१)

****

आतङ्की समूह 'एसएफजे'ने दी गणतन्त्र दिवसपर देहलीमें 'बिजली ग्रिड' 'फेल' करनेकी धमकी

खालिस्तानी आतङ्कवादी सङ्गठन 'सिख फॉर जस्टिस'ने एक और 'वीडियो' जारी किया है, जिसमें सिखोंको गणतन्त्र दिवसपर शान्ति भंग करनेके लिए भडकाया गया है ! इसमें आतङ्कवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू और 'एसएफजे'के प्रमुखको पंजाबके किसानोंको २५ और २६ जनवरीको देहलीमें विद्युत आपूर्तिमें कटौती करनेके लिए भडकाते हुए देखा जा सकता है । पन्नूने यह भी कहा कि सिंघू सीमापर १२५ किसानोंने प्राण गवाएं हैं।

'बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड' और 'बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड' देहलीको विद्युत प्रदान करती हैं । 'रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड'की दोनों कम्पनियोंमें प्रमुख सहभागिता है । इसी तथ्यका उदाहरण देते हुए, पन्नूने किसानोंको इन दोनों कम्पनियोंके स्वामित्ववाले 'ग्रिड'को नष्ट करनेके लिए भडकाया । उन्होंने कहा कि विद्युतमें कटौती करके किसान केन्द्र शासनको जगानेमें सक्षम होंगे, जो विधानको निरस्त करनेकी उनकी मांगके लिए 'बहरी' हो गया है।

पन्नूने देहलीके निवासियोंको धमकी दी और कहा कि यदि वे सुरक्षित रहना चाहते हैं, तो गणतन्त्र दिवसके दिन अपने घरपर रहें । उन्होंने आरोप लगाया कि भारत शासन राष्ट्रीय राजधानीपर आक्रमणके लिए खालिस्तानियोंको दोषी बतानेके लिए आतङ्कवादी गतिविधियोंमें लिप्त होगी । उन्होंने आगे कहा कि यदि देहलीके लोग सुरक्षित रहना चाहते हैं, तो उन्हें

२६ जनवरीको घरमें रहना चाहिए और गणतन्त्र दिवस समारोहमें भाग नहीं लेना चाहिए।

पन्नूने कहा कि खालिस्तान एक उचित मांग है और उनका सङ्गठन खालिस्तान नामके एक पृथक देशके लिए जनमत संग्रहके साथ आगे बढेगा । उन्होंने कहा कि खालिस्तान शान्तिमें विश्वास करता है और उनके पास भारत या भारतीयोंके विरुद्ध कुछ भी नहीं है । यद्यपि, अन्तमें, उसने 'नारा' दिया, “केसरी खंडा खालिस्तान, मसल देंगे हिंदुस्तान।”

भारत शासन यदि समय रहते इस कथित आन्दोलनको नहीं दबाएगा, तो इसका भयावह परिणाम देशको भोगना पड सकता है; क्योंकि यह आन्दोलन अब किसानोंका स्वर न होकर, आतङ्कियोंका स्वर बन गया है।

****

वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

१. वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार, त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523, 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

२. वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं । इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें । कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :

अ. नामजप कब, कहां और कितना करें ? २३ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

आ. क्या टैटू करवाना चाहिए ? २७ जनवरी, रात्रि ७.३० बजे

इ. गुरुके प्रकार ३१ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

३. वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा, यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

४. जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें

अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

५. कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”

प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915